आशा पारस फॉर पीस एंड हारमनी फाउंडेशन एवं वेद फाउंडेशन, भारत

द्वारा विश्व युवा कौशल दिवस के उपलक्ष्य पर

राष्ट्रीय वेबिनार – भारत में युवा कौशल विकास एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

दिनांक - 15 जुलाई 2023

विश्व युवा कौशल दिवस 15 जुलाई 2023 के उपलक्ष्य पर राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया जिसमे देश के अलग अलग स्थानों से सेकड़ों प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की। जिसमे कुलपति, पूर्व कुलपति, प्रोफेसर, सामाजिक कार्यकर्ता, मीडिया प्रतिनिधि एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे। प्रो. आशा शुक्ला, निदेशक, आशा पारस फॉर पीस एण्ड हारमनी फाउंडेशन, भारत द्वारा स्वागत वक्तव्य में कहा कि भारत इस समय स्किल के क्षेत्र में सबसे उभरता हुआ राष्ट्र होने के साथ सबसे युवा आबादी वाला देश है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के जरिये स्कूल शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा में कौशल विकास का संस्कार विकसित किया जा रहा है।

प्रो. आर. के. शुक्ला पूर्व विभागाध्यक्ष, पंडित सुन्दरलाल शर्मा केन्द्रीय व्यवसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल एवं कार्यक्रम संयोजक ने प्रस्तावना वक्तव्य देते हुये कहा कि जिन संस्थाओं में अच्छी सुविधाएं थी वहाँ कौशल शिक्षा ज्यादा सफल हुई है। आज नए उभरते क्षेत्रों को भी स्किल शिक्षा के साथ जोड़ा गया है।

प्रो. मानस पाण्डे, जौनपुर विश्वविद्यालय ने अपने उद्बोधन में बताया कि स्किल इंडिया के जरिये पुनः रोजगार सृजन की प्रक्रिया को गति मिली है। देश भर में स्किल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के साथ वोकेशनल शिक्षा को लागू किया गया है। इसके बेहतर क्रियान्वयन के लिए और अधिक ढांचागत व्यवस्था कि आवश्यकता है।

डॉ. आशीष दवे, अहमदाबाद ने अपने उद्बोधन में बताया की कौशल विकास हमारे बचपन की परवरिश से जुड़ा हुआ है। उन्होंने उद्यमिता को मनुष्य का आभूषण बताया।

डॉ. परिमल व्यास, कुलपति गुजरात ने अपने उद्बोधन में बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के जरिये जिस तरह कौशल शिक्षा को महत्व दिया गया है, निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि उससे सकारात्मक परिणाम आएंगे। नए भारत के स्किल में डेटा साइंस और आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भी युवाओं को स्किल्ड करने की जरूरत को बताया।

डॉ. प्रियरंजन दास त्रिवेदी, संस्थापक कुलाधिपति इन्दिरा गांधी टेक्नोलॉजिकल एण्ड मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश ने मुख्य अतिथि उद्बोधन प्रदत्त करते हुए कहा कि मौजूदा वैश्विक संदर्भों को देखते हुए, हमें स्किल के साथ-साथ प्रकृति अनुकूलन वाले रोजगार की ओर युवाओं को प्रोत्साहित करना होगा।

डॉ. मार्कण्डेय राय, अध्यक्ष, वेद फाउंडेशन, भारत ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि भारत में पूर्व के समयों में शिक्षा पर जीडीपी का बहुत कम हिस्सा खर्च किया जाता रहा है। आज जो छह प्रतिशत का प्रस्तावित लक्ष्य रखा गया है उससे शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक बदलाव आएगा। यह बदलाव भारत की दिशा और दशा दोनों को निर्धारित करेगा। कौशल शिक्षा का संवर्धन कर भारत विश्व समुदाय के लिए अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करने को तैयार हो रहा है।

कार्यक्रम के अंत में आभार प्रो. आशा शुक्ला द्वारा प्रदान किया गया।